बम्बई, कलकत्ता और मद्रास के बूचड़खानों में काटे पशुओं की संख्या

1305. श्री ओउ्म् प्रकाश त्यागी : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1970, 1971 और 1972 के वर्षों के दौरान बम्बई, कलकत्ता और मद्रास के बूचड़खानों में अलग-अलग कितने पशु काटे गये ; और

(ख) उक्त पशुओं में गायों और बैलों की संख्या क्या थी ?

NUMBER OF ANIMALS SLAUGHTERS) IN BOMBAY, CALCUTTA AND MADRAS SLAUGHTER HOUSES

1305. SHRI O. P. TYAGI : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) the number ot" animals slaughtered in the slaughter houses in Bombay, Calcutta and Madras respectively during the years 1970, 1971 and 1972 separately; and

(b) the number of cows and bullocks out of them?l

कृषि मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (प्रो० शेर सिंह) : (क) और (ख) संबंधित नगर निगमों से सूचना एकत्रित की जा रही है। यह प्राप्त होने पर यथा शीघ्र राज्य सभा पटल पर रख दी जायेगी।

t[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (PROF. SHER SINGH) : (a) and (b) Information is being collected from the concerned Municipal Corporations. The same will be placed on the Table of the Rajya Sabha as soon as it is received.]

भारतीय सड़क कांग्रेस का 34 वां वार्षिक सम्मेलन

1306. डा० भाई महावीर : क्या नौवहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय सड़क कांग्रेस के 34वें वार्षिक सम्मेलन में क्या-क्या निर्णय किये गये ; और

(ख) राजमार्गों के निर्माण तथा रख-रखाव के लिये तैयार की गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है और उनको कब तक लागू किया जायेगा ?

34TH ANNUAL CONFERENCE OF THE INDIAN ROAD CONGRESS

1306. DR. BHAI MAHAVIR : Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) the decisions taken at the 34th annual conference of tlie Indian Road Congress; and

(b) the details of schemes prepared for the construction and maintenance of national highways and the time by when these will be implemented?]

नौवहन और परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एन० बी० राना) : (क) और (ख) विवरण संलग्न है।

विवरण

(क) इण्डियन रोड्स कान्ग्रेस एक निजी संस्था है जो 1860 के समिति रजिस्ट्रेशन अधिनियम संख्या 21 के अंतर्गत रजिस्टर्ड है। 25 नवम्बर से दिसम्बर 3, 1972 तक गांधी नगर में हुए अपने 34वें अधिवेशन में उसके द्वारा किये गये फैसलों की, भारत सरकार को अभी कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

(ख) राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास और अनुरक्षण एक सतत प्रतिक्रिया है और समय-समय पर बदलने वाले यातायात और राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था को दृष्टि में रखते हुए उसके आधार पर इस की आयोजना और निष्पादन किया जाना है। चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत निम्नप्रकार से राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए 331.28 करोड़ रुपये की व्यवस्था उपलब्ध है :—

परियोजना	(रुपये करोड़ों में)
(1) पार्श्ववर्ती सड़क प्रायोजना (राष्ट्रीय राजमार्ग भाग) सहित पूर्व चतुर्थ योजना से आगे लाई गई	23.28
(2) 1-4-69 को मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग पद्धति के विकास संबंधी नए कार्य	293.00

†[ ] English translation.

परियोजना	(रुपये करोड़ों में)
(3) मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग पद्धति में सम्मिलित नई सड़कें	15.00
कुल रुपये	331.28

जहां तक आगे लाए गए कार्यों का संबंध है, गुजरात में जदेश्वर में नर्मदा पुल, पश्चिम बंगाल में हल्दिया के राष्ट्रीय राजमार्ग योजक सड़क, उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद पर गंगा पुल आदि को छोड़ कर जिन्हें पांचवी पंच-वर्षीय योजना में लाने-ले जाने के लिए उनकी चालू योजना के अंत तक पूरा हो जाने की आशा है।

जहां तक 293 करोड़ रुपये की व्यवस्था में से 1-4-69 को वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्ग पद्धति के विकास संबंधी नये कार्यों का संबंध है 455 करोड़ रुपये का एक कार्यक्रम तैयार किया गया है। योजना अवधि में वास्तविक खर्च 293 करोड़ रुपये की योजना व्यवस्था तक सीमित रहेगा और शेष पांचवीं योजना में लाया जायेगा।

कार्यक्रम में निम्नलिखित का निर्माण शामिल है:—

(1) कुल 440 किलोमीटर की सभी लुप्त कड़िया,

(2) 17 लुप्त बड़े बड़े पुल,

(3) कुल 480 किलोमीटर के निम्न दर्जे वाले खंडों में सुधार,

(4) ऊंची सतह वाले पुलों सहित 34 चुने हुए निमज्जक पुलों सेतुक मार्गों की प्रतिस्थापना,

(5) 136 चुने हुए क्षतिग्रस्त और कमजोर बड़े पुलों का पुनर्निर्माण,

(6) यातायत आवश्यकताओं तथा क्षमता और मौजूदा पटरी की स्थिति के अनुसार पटरी को मजबूत बनाते हुए या न बनाते हुए 13,200 किलोमीटरों की इकहरी गली वाली सड़कों को दुहरी गली वाले स्तर तक चौड़ा करना,

(7) 2,120 किलोमीटर कमजोर गली वाली पटरियों का मजबूत बनाना,

(8) लगभग 2286 कमजोर छोटे पुलों और कमजोर तथा तंग पुलियों का पुन: निर्माण,

(9) उन स्थानों पर लगभग 100 मार्गों का निर्माण जहां यातायात काफी अधिक है और अन्य 25 स्थानों पर उपमार्गों के लिए भूमि का अधिग्रहण,

(10) 51 चुने गये रेलवे फाटकों की जगह पर ऊपरी आधी पुलों का निर्माण

और

(11) उन स्थानों पर 4 गलियों तक सड़कों का चौड़ा किया जाना जहां काफी यानायात है।

उक्त कार्यक्रम में से सड़क निर्माण मशीनरी सहित लगभग कुल 283 करोड़ रुपये के अनुमान के कार्यों की 31 जनवरी, 1973 तक पहले ही से स्वीकृति दे दी गई है। आशा है कि शेष कार्यों से संबंधित अनुमान योजना की शेष अवधि में स्वीकृत कर दिये जाएंगे।

जहां तक वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्ग पद्धति में नये सड़कों को शामिल करने का संबंध है कुल 4,819 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों को चतुर्थ योजना में राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित किया गया है। इन सड़कों में कमी की जाने के लिए किये जा रहे सर्वेक्षण के पूरे होने के बाद इनका राष्ट्रीय राजमार्ग स्तर तक विकास किया जायेगा।

THE£ MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI M. B. RANA) : (a) and (b) A statement is attached.

STATEMENT

(a) The Indian Roads Congress is a private body registered under the Societies Registration Act No. XXI of 1860. The Govt, of India have not yet received any communication from them regarding the decisions taken by them at their 34th Session held at Gandhinagar from 25th November to December 3, 1972.

(b) The development and maintenance of National Highways is a continuous process and has to be planned and executed on that

†[ ]English translation.]

basis keeping in view the requirements of traffic and needs of national economy which keeps on changing from time to time. Under the Fourth Five Year Plan a provision of Rs. 331.28 crores is available for National Highways as under :

	(Rs. crores)
(1) carry over from the pre-Fourth Plan including Lateral Road Project (N.H. portion.)	23.28
(2) New works on the development of existing N.H. System as existing on 1-4-69.	293.00
(3) New additions to the existing N.H. system.	15.CO
TOTAL	331.28

So far as the 'carry over' works are con- j earned thsy are expected to be completed I by the end of the current Plan by and | large except for a few schemes like the Narmada bridge at Zadeshwar in Gujarat, the N. H. link to Haldia in West Bengal Ganga bridge at Allahabad in U.P. etc., which might spill over to the 5th plan and be completed in that Plan.

As regards new works on the development of existing N.H. System as on 1-4-69, against the provision of Rs. 293 crores, a programme worth Rs. 455 crores has been drawn up, the actual expenditure in the Plan period being restricted to the Plan provision of Rs. 293 crores and the balance being carried over to the 5th Plan.

The programme envisages taking up for construction of (i) all missing links totalling 440 kms., (it) 17 missing major bridges, (iii) improvement to low grade sections totalling 480 kms., (iv) replacement of 34 Nos. selected submersible bridges/vented causeways with high level bridges, (v) reconstruction of 136 selected damaged and weak major bridges, (vi) widening 13.200 Kms. of single-lane roads to double lane standard with or without pavement strengthening depending upon traffic requirements and capacity and state of existing pavement, (vii) strengthening 3,120 Kms. of weak double lane pavements, (viii) Reconstructions of about 2,286 Nos. weak minor bridges and a large number of weak and narrow culverts, (ix) construction of about 100 byepasses at places where the traffic congestion is acute and acquiring land for byepasses on 25 other places, (x) replacing 51 Nos. selected railway level crossings with over/under bridges and (xi) widening roads to 4-lanes in the heavily trafficked stretches.

I Against the said programme, works .estimates totalling to about Rs. 283 crores including road building machinery ha\e already been sanctioned upto 31st January 1973. It is expected that the remaining works estimate would be sanctioned in the remaining period of the plan.

As for new additions to the existing N.H. System, roads of a total length of 4,819 Kms. have been declared as National Highways in the Fourth Plan. These will now be developed to standard af.er the completion of the survey currently in hand to assess the deficiencies in these roads.]

जलयानों की कमी

1307. डा० भाई महावीर : क्या नौवहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में जलयानों की कमी को पूरा करने के लिये सरकार क्या कदम उठा रही है ; और

(ख) क्या इस संबंध में पांचवीं पंचवर्षीय योजना में कोई प्रावधान किया गया और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ।

SHORTAGE OF SHIPS

1307. DR. BHAI MAHAVIR : WiH the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state :

(a) the steps that are being taken by

†[ ] English translation.